एक न एक दिन जाना होगा,
हरी भरी फुलवारी तज कर
मरघट सेज सजाना होगा
रे जाना होगा

1- राग रंग में जीवन बीते
जीत जीत कर कभी न जीते
बड़ा अनोरवा खेल मौत का,
टूटा ताना बाना होगा
रे जाना होगा

2- गिरा झोंपड़ी महल बना ले
दिवाली सी रोज मना ले
चाहे हंस ले रो ले गा ले,
सब खामोश तराना होगा
रे जाना होगा

Nijanand App